समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

राम मंदिर पर फहराए जाने वाले ध्वज की 25 दिन की तैयारी, अहमदाबाद मे तैयार हुआ खास ध्वज

Publisher

Published on 21 Nov 2025

अयोध्या के भव्य **राम मंदिर** के शिखर पर 25 नवंबर को प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** द्वारा विशेष ध्वज फहराए जाने की तैयारी पूरी तरह अंतिम चरण में है। इस ध्वज की **25 दिन की विशेष तैयारी** हुई है और इसे बनाने के पीछे कई तकनीकी और धार्मिक पहलुओं को ध्यान में रखा गया है।

ध्वज को अहमदाबाद की 80 साल पुरानी कंपनी में तैयार किया गया है, जो पैराशूट बनाने में विशेषज्ञ मानी जाती है। इस कंपनी के पास लंबे समय का अनुभव है और वह विशेष प्रकार के फैब्रिक और तकनीक का उपयोग करती है ताकि ध्वज हर प्रकार की मौसम की मार और तेज हवाओं का सामना कर सके। ध्वज बनाने में **पैराशूट फैब्रिक और रेशमी धागों** का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह मजबूत होने के साथ-साथ सुंदर भी दिखाई देता है।

राम मंदिर के शिखर पर फहराए जाने वाले ध्वज की लंबाई 22 फीट और चौड़ाई 11 फीट है। इसे मंदिर के **42 फीट ऊंचे ध्वजदंड** पर लगाया जाएगा। इस ध्वजदंड को विशेष रूप से एक **घूमने वाले चैबरं** के साथ डिजाइन किया गया है, जिसमें **बॉल बेयरिंग** लगाए गए हैं। इस तकनीक के कारण तेज हवाओं में भी ध्वज सुरक्षित रहेगा और आसानी से घूमेंगा।

ध्वज की तैयारियों में धार्मिक आस्था के साथ-साथ तकनीकी दक्षता का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इस ध्वज को तैयार करने वाले कारीगरों ने इसे हर प्रकार की प्राकृतिक विपरीत परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बनाया है। धूप, बारिश और हवा के असर को सहने की क्षमता इसे मंदिर की गरिमा और स्थायित्व के अनुरूप बनाती है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ध्वज फहराए जाने की तैयारी के पीछे धार्मिक महत्व भी जुड़ा है। यह ध्वज मंदिर की शोभा बढ़ाने के साथ-साथ हिंदू धर्म में शिखर पर धर्म और आस्था की प्रतीक के रूप में स्थापित होगा। तैयार किए गए ध्वज में विशेष तकनीक का उपयोग करने से यह लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा और मंदिर की भव्यता में चार चाँद लगाएगा।

ध्वज की विशेषताएं और तकनीक ने इसे न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाया है बल्कि आधुनिक यंत्रणाओं के माध्यम से इसे सुरक्षित और स्थिर भी किया गया है। इस ध्वज को तैयार करने वाले कारीगरों ने इसे इस तरह से बनाया कि यह लगातार उड़ता रहे, हवा के साथ झूमे, और मंदिर के शिखर पर एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करे।

राम मंदिर का यह ध्वज न केवल अयोध्या के लिए बल्कि पूरे देश के हिंदू समुदाय के लिए गर्व और आस्था का प्रतीक होगा। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस ध्वज को फहराए जाने के साथ ही अयोध्या में एक ऐतिहासिक क्षण की गवाह बनने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

इससे पहले कई महीनों तक ध्वज और ध्वजदंड की डिज़ाइन पर काम हुआ। तकनीकी विशेषज्ञों और कारीगरों ने मिलकर इसे तैयार किया। यह ध्यान रखा गया कि ध्वज का हर पहलू मौसम और हवा की स्थिति के अनुसार सुरक्षित और मजबूत हो। खास पैराशूट फैब्रिक और रेशमी धागों के उपयोग से ध्वज की मजबूती और स्थायित्व सुनिश्चित किया गया।

अयोध्या में तैयारियों के बीच स्थानीय प्रशासन और मंदिर प्रबंधन भी सक्रिय हैं। उन्होंने सुनिश्चित किया है कि ध्वज और ध्वजदंड दोनों सुरक्षित रूप से शिखर पर स्थापित किए जाएं और दर्शकों के लिए यह एक भव्य दृश्य प्रस्तुत करे।

ध्वज की यह तैयारी न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि तकनीकी दृष्टि से भी यह एक अद्भुत मिसाल है। इसे बनाने में पारंपरिक तकनीक और आधुनिक यंत्रणा का मिश्रण किया गया है। यह ध्वज अयोध्या के भव्य **राम मंदिर** की शोभा और गरिमा को और बढ़ाएगा।

25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ध्वज फहराए जाने के बाद यह अयोध्या और पूरे देश के लिए एक यादगार और ऐतिहासिक क्षण होगा। यह ध्वज न केवल मंदिर की भव्यता में इजाफा करेगा बल्कि देशवासियों के बीच धार्मिक आस्था और गर्व की भावना को भी मजबूत करेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.